**India Foundation for the Arts (IFA)**

द्वारा

वास्तकला ु अभिलेखागार की महिलाएँ**(Women of Vaastukala Archive)**

के सहयोग से

अपनेArchives and Museums programme (आर्काइव्स एंड म्यज़ियम्स

प्रोग्राम) के अतं र्गतर्ग

**IFA X WoV** रचनात्मक एवंशोधपरक परियोजनाओंके लिए

प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहेहै.

अतिं म तिथि: 20 फरवरी, 2026

अधिक विवरण के लिए, ritwika@indiaifa.org को लिखें

या www.indiaifa.org पर जाएँ

***The Archives and Museums programme (***आर्काइव्स एंड म्यज़ियम्स प्रोग्राम***)*** को टाटा ट्रस्ट्स का सहयोग प्राप्त है.

India Foundation for the Arts (IFA) द्वारा वास्तकला ु अभिलेखागार की महिलाएँ(Women of Vaastukala Archive) के सहयोग सेअपनेArchives and Museums programme (आर्काइव्स एंड म्यज़ियम्स प्रोग्राम) के अतं र्गतर्ग IFA X WoV रचनात्मक एवं शोधपरक परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए जा रहे है. इस कार्यक्रमर्य का एक दोहरा उद्देश्य है: कला साधकों और शोधकर्ताओं को अभिलेखागारों तथा संग्रहालय संग्रहों के साथ जन-सहभागिता के लिए नए, आलोचनात्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर प्रदान करना; तथा इन स्थानों को संवाद और विचार-विमर्श के मंच के रूप मेंजीवंत बनाना. इस कार्यक्रमर्य के अतं र्गतर्ग पहलेकी परियोजनाओंके बारेमें पढ़ें.

वास्तकला ु अभिलेखागार की महिलाएँ(**Women of Vaastukala Archive**) के बारेमें

2022 में सार्वजर्व निक रूप से सलभु किया गया यह अभिलेखागार मख्यतः ु वेब-आधारित हैऔर इसमें भारत भर मेंवास्तकला ु , डिज़ाइन, नियोजन तथा उससेजड़ेक्षेत्रों मेंसक्रिय 21 महिला पेशवरों े के मौखिक इतिहास संकलित हैं. शिकागो स्थित ग्राहम फ़ाउंडेशने के सहयोग से विकसित यह अभिलेखागार

*Revisiting India's Architectural History: Tracing the Women Practitioners of Twentieth Century India* (भारत के वास्तशिु ल्प इतिहास का पनु पाठ: बीसवीं सदी की महिला वास्त-ुव्यवसायियों की पड़ताल) नामक शोध परियोजना सेनिकला है। इसका उद्देश्य निर्मितर्मि पर्यावरण के क्षेत्र मेंविभिन्न भमिू काओंमें कार्यरतर्य महिला पेशवरों े के साथ संवादों को दर्ज करना, उनकी पेशवर े यात्राओंका मानचित्रण करना और स्वतंत्रता के बाद के भारत के वास्तशिु ल्प इतिहास की एक वकै ल्पिक कथा प्रस्ततु करना है। अभिलेखागार का शभार ु ंभ अहमदाबाद स्थित अर्थशिर्थ ला मेंआयोजित प्रदर्शनी र्श *Vandalising the Indian Atelier: In Search of Stories of Women Practitioners* (भारतीय शिल्पशाला का विखंडन: महिला पेशवरों े की कथाओं की खोज ) (2023) के साथ ह ुआ। इसके बाद इसका लॉन्च कोच्चि और बेंगलरुु मेंआयोजित IIA-YAF तथा IIID फ़ोरम मेंभी किया गया, जहाँलगिैं कता-आधारित अध्ययन, अभिलेखागार निर्माण और स्थानिक डिज़ाइन सेजड़ुेविविध मद्दों ु पर केंद्रित चर्चाएँह ुईं।

अब इस अभिलेखागार को Curating for Culture द्वारा समर्थितर्थि और होस्ट किया जा रहा है, जो न दिखाई देनेवालेइतिहासों को दृश्यमान बनानेके उद्देश्य पर केंद्रित एक समहू हैहै. व्यक्तिगत कथाओं को शामिल करना, सामदा ु यिक सहभागिता के माध्यम सेअभिलेखागार निर्माण के ढांचों को अपनाना और सार्वजर्व निक व्याख्या इस सामहिू क अभ्यास का केन्द्रीय तत्व रहा है.

संग्रह के बारेमें

अभिलेखागार मेंमौखिक इतिहासों के ऑडियो फॉर्मेट हैं, जिन्हेंशीर्षकर्ष दिए गए हैंऔर छोटी-छोटी साउंड क्लिप्स मेंमपै किया गया है. इन्हेंमख्यु रूप सेऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर या व्यक्तिगत रूप सेरिकॉर्ड किया गया था. येबीसवींशताब्दी के भारत की महिला वास्तकला ु -पेशवरों े की यात्राओंको रेखांकित करती  हैंऔर उनके वास्तशिु ल्प योगदानों को भारत के वास्तुइतिहास की व्यापक कथा मेंइस उद्देश्य के साथ महत्वपर्णू र्ण पड़ावों के रूप मेंभी स्थापित करती हैंताकि उनके बारेमेंप्रचलित आख्यान को नई दिशा में मोड़ा जा सके.

क्यों? भारत के बीसवीं शताब्दी के वास्तशिु ल्प इतिहास के लोकप्रिय वत्तान्त ृ मख्यु रूप से परुषु वास्तकारों ु और इंजीनियरों के योगदानों के इर्द-गिर्द घमतू ेआए हैं. देश की महिला वास्तकारों ु या अन्य पदों पर कार्यरतर्य महिला व्यवसायियों के योगदानों के बारेमें बह ुत कम लेखन और प्रचार-प्रसार ह ुआ है. भारतीय वास्तशिु ल्प इतिहास की मौजदा ू कथाएँभौगोलिक और सामाजिक-राजनीतिक सीमाओं सेभी प्रभावित हैं. मौखिक इतिहास की रिकॉर्डिंग्सर्डिं , दृश्य प्रलेखन तथा कथा-कहन के उपकरणों के उपयोग से, वास्तकला ु अभिलेखागार की महिलाएँ(Women of Vaastukala Archive) सभी के लिए उपलब्ध एक अभिलेखागार का निर्माण करता हैतथा भारत मेंलगिैं कता और रचेगए पर्यावरण के बीच संबंधों पर विचार-विमर्श मेंयोगदान देता है.

अब तक हिस्सेदारी कर चकीं ु कुछ महिला व्यवसायियाँमेंबलविदरं सनी ै , चित्रा विश्वनाथ, फाल्गुनी देसाई, गौरी विर्दी, गीता बालक ृष्णन, लीना कुमार, मधुसरीन, माधवी देसाई, मीनाक्षी जनै

, नलिनी ठाकुर, नीना चंदावरकर, पारुल ज़ावेरी, पनीता ु मेहता, रेणुसहगल, शीला श्री प्रकाश तथा वीणा गरेला शामिल हैं. परियोजना का दायरा हाशियेपर स्थित उन लोगों की आवाज़ों को भी शामिल करनेके लिए विस्तृत किया गया हैजो अब जीवित नहीं हैं. दिवंगत वास्तकार ु हेमा संकालिया, तारा चंदावरकर तथा रेवती कमथ के क्लायंट्स, परिवार तथा मित्रों के साथ साक्षात्कार किए गए ताकि उनके जीवित इतिहासों को एक जगह रखा जा सके.
कैसे? अभिलेखागार में संकलित ये रिकॉर्डिंग्सर्डि श्रोताओ,ं पाठकों और शोधकर्ताओं के समक्ष साक्षात्कारकर्ताका प्रथम-परुष दृष्टिकोण प्रस्तुत करनेके उद्देश्य सेकी गई हैं, और इनमेंउपलब्ध डटा े को केवल बनिु यादी ध्वनि-संशोधन तथा संवेदनशील सचनाओ ू ंके संपादन तक ही सीमित रखा गया है.

यह मौखिक इतिहास अभिलेखागारों के उन पहलेया बहुत कम अभिलेखागारों मेंसेएक हैजिन्होंने व्यापक डटा े को कंटेंट मनै ेजमेंट सिस्टम के माध्यम सेसंधान योग्य बनानेका प्रयास किया है. इस प्रक्रिया मेंदो महत्वपर्ण ू र्ण उपकरण रहेहैं: मेटाडटा े और कीवर्ड्स की मपिै गं , तथा प्रत्येक सेशन को छोटे सारांशों या प्रमखु कथाओंको रेखांकित कर उन्हेंसंक्षिप्त बनाना.

**WoV** अभिलेखागार द्वारा पर्व ू र्वमेंकियेगए हस्तक्षेप

अभिलेखागार के क्यरूेशन की प्रक्रिया के दौरान ही कई शोधपरक और व्याख्यात्मक पहलों पर काम किया गया, जिनमेंनिम्नलिखित शामिल हैं:

- अहमदाबाद के मिल ओनर्स असोसिएशन मेंहुए फेमिनिस्ट कलेक्टिव इन आर्कीटेक्चर सम्मलेन (*Feminist Collective in Architecture*) (2022) मेंनिजी और पेशवर े के बीच संतलनु की पड़ताल (*Negotiating Between the Personal and Professional)* शीर्षकर्ष पोस्टर प्रस्तुत .
- डिजिटल संसार में मौखिक इतिहास विषय पर हुए *OHAI* के सातवें सम्मलेन *(7th OHAI Conference on Oral History in the Digital World*) में मौखिक इतिहासों का दृश्यांकन *(Visualisation of Oral Histories)* नामक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया.
- क्यरूेशन फ़ॉर कल्चर *(Curating for Culture)* द्वारा सार्वजर्व निक सहभागिता हेतुमौखिक इतिहास परियोजनाओं का क्यरूेशन *(Curating Oral History Projects for Public Engagement)* विषय पर तीन परियोजनाओंका पनलै (2022).

इनका अध्ययन करनेके लिए यहाँक्लिक करें.

अभिलेखागार, उसकी प्रक्रियाओं और उसके निहितार्थों को कई महत्वपर्ण ू र्ण राष्ट्रीय और अतरराष्ट्रीय ं पहलों के अतं र्गतर्ग प्रदर्शनिर्श यों मेंआमंत्रित किया गया हैया उन पर आलोचनात्मक रूप सेविचार-विमर्श किया गया है:

- "प्रदर्शनी र्श भारतीय शिल्पशाला का विखंडन सेचयनित पाठ-संकलन" (Collection of Readings from the exhibition Vandalising the Indian Atelier), वीमेन राइटिगं आर्कीटेक्चर (*Women Writing Architecture)* मेंप्रकाशित, 08 सितंबर 2025.
- पस्तक ु *Women and Architectural History: The Monstrous Regiment Then and Now* (डाना

आर्नोल्ड्स द्वारा सम्पादित), में मरी ै नॉर्मनर्म वड्सु का आलेख "AGAINST THE GRAIN: Women Architects Rereading and Reimagining the Archive and Monograph" प्रकाशित. रटलेज, 2024.

- नारीवादी स्थानिक प्रथाएँ *(Feminist Spatial Practices)* में "Women of Vaastukala Archive", प्रकाशित, 18 जलाई ु 2025.
- *Samatva: Shaping the Built* - भारत की प्रथम कला, वास्तकला ु और डिज़ाइन द्विवार्षिकी र्षि (IAADB), क्यरूटर: स्वाति जान;ू संस्क ृति मंत्रालय द्वारा आयोजित, लाल किला, 2023–24. • *AS Architecture Suisse*, AS 226 (3) मेंइशिता शाह का आलेख Collecting stories of women of Indian architecture प्रकाशित, 2022/2023.

रचनात्मक और शोध परियोजनाओंके दायरेके बारेमें

क्यरूटिगं फ़ॉर कल्चर (Curating for Culture) भारत में अनमानतः ु 2026 की सर्दियों तक एक मंच (अर्थात सामदा ु यिक स्थान) विकसित करनेकी दिशा में कार्य कर रहा है. इस मंच के केंद्र मेंWoV अभिलेखागार के उदेश्य और उसका प्रभाव रहेंगे. इसके अतिरिक्त अन्य विषयगत रुचि के क्षेत्र येहोंगे:

- स्थानिक नारीवादी वत्तृि याँ
- सांस्क ृतिक संरक्षण के लिए सामदा ु यिक सहभागिता
- भारत के शहरी विकास मेंस्थानिक लचीलापन (spatial resilience) की आवश्यकता

हम आवेदकों को आमंत्रित करतेहैंकि वेअपनी व्याख्याएँप्रस्ततु करें, सहयोग करेंऔर हमारेसाथ मिलकर इस मंच के क्यरूेशन मेंसहभागी बनें.

शोध परियोजना के लिए हम ऐसेप्रस्तावों को प्रोत्साहित करतेहैंजो:

- स्थानिक डिज़ाइन और निर्मितर्मि पर्यावरण उद्योग में, अनिवार्य रूप सेनेतत्वृ के पदों पर न होते ह ुए भी, कार्यरतर्य महिला पेशवरों े के नए साक्षात्कार तयार ै करें.
- मौजदा ू संग्रहों का अध्ययन व व्याख्या करतेह ुए जीवन के अनभवों ु , उभरतेमल्यों ू और डिज़ाइन प्रक्रियाओंकी तलना ु करें, तथा उद्योग के भीतर हो रहेपरिवर्तनों र्त की मपै गं करें. • द्वितीयक स्रोतों के साथ अतःसंयोजन ं (cross-pollination) के माध्यम सेनारीवादी स्थानिक अभ्यासों में सांस्क ृतिक लचीलापन पर सक्ष्मू अतं र्दृष्टियाँविकसित करें और इस विमर्श को दक्षिण एशिया तक विस्तारित करें.

शोध के निष्कर्षों का सह-क्यरूेशन आगामी प्रदर्शनिर्श यों के लिए किया जाएगा. ऑडियो-विज़अलु रिकॉर्डिंग्सर्डि को आवश्यक सहमति के साथ डिजिटल अभिलेखागार मेंशामिल किया जाएगा, और

नतिै क दिशानिर्देश या शोध-पत्रों का सह-प्रकाशन प्रासंगिक प्रकाशनों मेंकिया जाएगा.

रचनात्मक परियोजनाओंके लिए हम ऐसेप्रस्तावों को प्रोत्साहित करतेहैंजो -

- डिजिटल तरीके सेजन्मीं परियोजनाओं और/अथवा मल्टीमीडिया निष्कर्षों की शरुआत ु करेंऔर उन्हेंलागूकरें; सोशल मीडिया संचार के लिए प्रोटोटाइप या छोटे-स्तरीय हस्तक्षेप विकसित करें; तथा प्रदर्शनिर्श यों या स्थानिक सहभागिता के लिए दीर्घका र्घ लिक आउटपटु तयार ै करें.
- पिछली प्रदर्शनी र्श से जड़ुे मौखिक इतिहास संग्रह और संबंधित भौतिक अभिलेखागारों की कलात्मक हस्तक्षेपों के माध्यम सेपनु र्कल्पना करें.
- खंडित अभिलेखागार, वास्तकला ु में जेंडर, सांस्क ृतिक लचीलापन और देशभर में नारीवादी स्थानिक अभ्यासों की अवधारणाओंकी व्याख्या करें.

शोध के लिए उपलब्ध संग्रहों और सामग्री के बारेमेंअधिक जानकारी हेतु क ृपया इशिता शाह सेसंपर्क करें: **info@curatingforculture.com**

परियोजना की अवधि: 09–15 माह. परियोजना समन्वयकों के पास 2026 की सर्दियों मेंआयोजित होने वालेफ़ोरम का हिस्सा बननेहेतुकम-से-कम कुछ ठोस आउटपटु/परिणाम होना अनिवार्य है.

बजट

- परियोजना की कुल लागत रु. 3,00,000/- सेअधिक नहीं होनी चाहिए.
- परियोजना की परी ू अवधि के लिए प्रस्तावित बजट का अधिकतम 35% तक मानदेय माँगा जा सकता है. कुल राशि मेंमानदेय शामिल माना जाएगा.
- धनराशि केवल परियोजना-संबंधित खर्चों और गतिविधियों के लिए होगी; ढांचागत लागत या उपकरणों की ख़रीद के लिए भगतान ु नहींकिया जाएगा.

कौन आवेदन कर सकता है?

हम क्यरूेटरों, कलाकारों, कला-शिक्षकों, शोधकर्ताओ,ं लेखकों, परफ़ॉर्मर्सर्म र्स तथा अन्य रचनात्मक अभ्यासियों और ऐसेविद्वानों सेआवेदन आमंत्रित करतेहैंजिनकी शोध की पष्ठभ ृ मि हो और जिन्हें अभिलेखागार संग्रहों, मौखिक इतिहासों, जेंडर सेजड़ेमद्दों ु तथा भारत मेंस्थानिक डिज़ाइन या निर्मितर्मि पर्यावरण के इतिहास के साथ काम करनेमेंगहरी रुचि हो.

पात्रता

- केवल भारतीय नागरिक आवेदन कर सकतेहैं. इसमेंPIO (Persons of Indian Origin) और OCI (Overseas Citizen of India) कार्ड धारक शामिल नहीं हैं.
- आवेदक के पास PAN कार्ड तथा पहचान और नागरिकता के प्रमाण के रूप मेंनिम्न मेंसेकोई एक होना चाहिए—भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड या भारत का मतदाता पहचान पत्र.
- केवल व्यक्तिगत आवेदक आवेदन कर सकतेहैं; किसी भी प्रकार के संगठन आवेदन के पात्र

नहीं हैं.

● यदि परियोजना मेंअन्य सहयोगी हों, तो वेभी भारतीय नागरिक होनेचाहिए. ● जिन व्यक्तियों का India Foundation for the Arts (IFA) के साथ वित्तीय वित्तीय अनियमितता का पर्व वेइतिहास रहा है, वेपात्र नहीं हैं.

- जिन व्यक्तियों नेIFA सेप्राप्त किसी पर्व वेअनदानु के अतं र्गतर्ग सहमत निर्धारित परिणाम जमा नहींकिए हैं, वेपात्र नहीं हैं.
- जिन्हेंIFA द्वारा किसी भी कारण सेभविष्य मेंआवेदन न करनेका पत्र दिया गया है, वेपात्र नहीं हैं.
- जो व्यक्ति वर्तमान र्त मेंIFA द्वारा कार्यान्वित किसी परियोजना पर कार्य कर रहेहैं, वेआवेदन के पात्र नहीं हैं.
- यदि एक सेअधिक व्यक्ति संयक्तु रूप सेआवेदन करना चाहतेहैं, तो उनके पास संयक्तु बकैं खाता होना चाहिए. यदि संयक्तु खाता नहीं है, तो उनमेंसेकेवल एक व्यक्ति आवेदक होगा और अन्य सहयोगी के रूप मेंसचीबद्ध ू किए जाएँगे.

आवेदन प्रस्ततु करनेके दिशा-निर्देश

आप अपना प्रस्ताव अग्रं ेज़ी सहित किसी भी भारतीय भाषा मेंलिख सकतेहैं.

क ृपया निम्नलिखित सामग्री एक ही ईमेल मेंभेजें:

- परियोजना का संक्षिप्त विवरण (जसा ै कि पहलेबताया गया है- रचनात्मक परियोजना के लिए कल्पित किए जा सकनेवालेरचनात्मक आउटपट्सु की रूपरेखा सहित, अथवा यदि यह शोध परियोजना हैतो उसके शोध प्रश्नों के साथ), जिसे ऊपर बताई गई सामग्रियों के आधार पर विकसित किया जा सकता हो। इस विवरण में परियोजना की दृष्टि, पद्धति और संभावित परिणाम शामिल होनेचाहिए।
- अन्य सार्वजर्व निक कार्यक्रमों र्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी, जिन्हें उपलब्ध सामग्री के आधार पर विकसित किया जा सकता हो.
- परियोजना की विस्ततृ समय-सीमा.
- विस्ततृ बजट.
- आपका बायो-डटा े जिसमें किसी एक ऐसी प्रमखु परियोजना का संक्षिप्त विवरण हो जिसमें आपनेक्यरूेटर, कला-प्रक्टि ै शनर या शोधकर्ताके रूप मेंप्रतिभाग किया हो. इस विवरण मेंउस परियोजना की परिकल्पना, प्रक्रियाएँऔर परिणाम शामिल हों. क ृपया अटैचमेंट के बजाय लिकं सहित एक दस्तावेज़ भेजें.

अपना आवेदन या किसी भी प्रकार के प्रश्न रित्विका मिश्रा को इस ईमेल पते पर भेजें: ritwika@indiaifa.org जिसमेंईमेल की सब्जेक्ट लाइन यह हो: **Application for IFA – Women of Vaastukala Archive**

प्रमखु तिथियाँ

- आवेदन प्राप्त करनेकी अतिं म तिथि: **20 फ़रवरी 2026**

- शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के साक्षात्कार: मार्च 2026
- परियोजना का आरंभ: मार्च 2026 से15 माह की अवधि तक

**India Foundation for the Arts (IFA)** इस परियोजना को लागू करते हुए आपके साथ सीधे परियोजना समन्वयक बनाएगा**.**

कृपया ध्यान दें कि IFA एक ऐसेसुरक्षित वातावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जो सभी, विशेषे रूप सेबच्चों, का समर्थनर्थ , सम्मान और संरक्षण करता है. आवेदक का इस प्रतिबद्धता के अनुरूप होना और हर समय इसका पालन करना आवश्यक है.

***Archives and Museums Programme (***आर्काइव्स एंड म्यूज़ियम्स प्रोग्राम***)*** को ***Tata Trusts*** का सहयोग प्राप्त है**.**

छवियाँ: वास्तकला अभिलेखागार की महिलाएँ(Women of Vaastukala Archives)

सादर,
IFA की टीम